

संख्या - 1013/13/78-आ0 (क)

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली - 110001, दिनांक

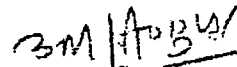
1978

कार्यालय, ज्ञापन

विषय: केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियम, 1964-केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी के पति/पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा अपनी निधि में से संव्यवहार (ट्रिस्टिन्स) ।

युक्त यह कहने का निदेश हुआ है कि विभिन्न मंत्रालयों द्वारा समय-समय पर इस विभाग से यह स्पष्टीकरण मांगा जाता रहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी को निजी निधि से भिन्न उसके पति/पत्नी और परिवार के किसी सदस्य द्वारा अपनी निजी निधि (जिसमें स्त्रीधन, उपहार, विरासत आदि शामिल हैं) में से किए गए संव्यवहार पर केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियम 1964 के नियम 18 के उप-नियम (2) और (3) के उपबन्धों लागू होते हैं अथवा नहीं। एतद्द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी सरकारी कर्मचारी को निजी निधि से भिन्न उसके पति/पत्नी और परिवार के किसी सदस्य द्वारा अपनी निजी निधि (जिसमें स्त्रीधन, उपहार, विरासत आदि शामिल हैं) में से अपने नाम और अपने अधिकार में किए गए संव्यवहार पर केन्द्रीय सिविल सेवा (आवरण) नियम 1964 के नियम 18 के उप-नियम (2) और (3) के उपबन्ध लागू नहीं होंगे।

2- उपर बतई गई स्थिति का ध्यान में रखते हुए तदनुसार गृह मंत्रालय के दिनांक 28 अगस्त, 1959 के का0ज्ञा0 संख्या 25/18/59 आ0 (क) के पैरा 2(11) को संशोधित समझा जाय।


(आर० सी० गुप्ता)

उपस सचिव, भारत सरकार

सेवा में,

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग, सामान्य संघा में
अतिरिक्त प्रतियों सहित।